साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 279 | जौनपुर, शनिवार, 06 जुलाई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हाथरस कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। हाथरस कांड के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को एसआईटी ने शुक्रवार देर रात दिल्ली के एक अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने मधुकर द्वारा आत्म समर्पण करने का दावा किया है। अधिकारियों के मुताबिक हादसे के बाद भागकर दिल्ली के उत्तम नगर स्थित एक अस्पताल में भर्ती हो गया था। एपी सिंह ने मधुकर को दिल का मरीज बताया है। देव प्रकाश मधुकर एटा जिले में मनरेगा में तकनीकी सहायक के रूप में तैनात है। हादसे के बाद वहां उसके खिलाफ सेवा समाप्ति की कार्रवाई की तैयारी भी शुरू हो गई है। सत्संग आयोजन में उसकी लगन को देखते हुए उसे मुख्य सेवादार की जिम्मेदारी दी गई थी। सिकंदराराऊ के फुलरई मुगलगढ़ी में हुए सत्संग की अनुमति भी देव प्रकाश ने ही उपजिलाधिकारी सिकंदराराऊ से ली थी। इस कारण हादसे के बाद वह पुलिस के रडार पर था। देव प्रकाश करीब 10 वर्ष पूर्व वह एटा जिले के अवागढ़ ब्लॉक की ग्राम पंचायत सलेमपुर गादरी के मजरा सलेमपुर को छोड़कर सिकंदराराऊ में आकर बस गया। वर्तमान में वह सिकंदराराऊ के मोहल्ला दमदपुरा नई कॉलोनी में रह रहा है। सिकंदराराऊ में आते ही वह भोले बाबा की मानव मंगल मिलन सद्भावना समागम समिति से जुड़ गया और धीरे-धीरे सत्संग आयोजन से जुड़े कार्यों के प्रति लगन को देखते हुए देव प्रकाश को मुख्य सेवादार की जिम्मेदारी मिल गई।

यह घोर भाई-भतीजा वाद और सत्ता की भूख - शिवराज

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के झारखंड प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने दूसरी बार मुख्यमंत्री बदलने को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) पर निशाना साधा। चंपई सोरेन को हटाकर हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद चौहान ने झामुमो पर तीखा हमला बोला। हेमंत सोरेन ने अपने पिता और जेएमएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन की मौजूदगी में राजभवन में झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने के बाद इस साल फरवरी में चंपई सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। चौहान ने कहा कि यह घोर भाई-भतीजावाद और सत्ता की भूख है जो अपने अलावा किसी को बर्दाश्त नहीं कर सकती। आखिर चंपई सोरेन की क्या गलती थी? उन्हें विधानसभा चुनाव तक इंतजार करना चाहिए था।

जल्द ही जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होगा - अमित शाह

जम्मू-कश्मीर, एजेसी। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 19 अगस्त को समाप्त होने वाली अमरनाथ यात्रा के बाद होने की

उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्य भाजपा नेताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया है। गुरुवार देर रात हुई बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा राज्य इकाई के नेताओं को चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया और बताया कि पार्टी सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अगस्त 2019 में राज्य की विशेष स्थिति को रद्द करने से पहले नवंबर 2018 में जम्मू और कश्मीर की विधानसभा भंग कर दी गई थी। राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। पार्टी नेतृत्व ने राज्य के नेताओं को यह भी सूचित किया है कि भाजपा राज्य में किसी भी पार्टी के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेगी। हालाँकि, सूत्रों ने कहा कि सीटों का समायोजन और समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ चुनावी समझ हो सकती है। पार्टी विधानसभा चुनाव से पहले किसी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को पेश नहीं करेगी। प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के राज्य का दौरा करने की उम्मीद है। पार्टी राज्य में लोगों के साथ जन संपर्क कार्यक्रम भी चलाएगी। तैयारियों को गति देने के लिए, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा शनिवार को राज्य का दौरा करेंगे और पार्टी की राज्य कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करेंगे। वर्तमान में रविंदर रैना की अध्यक्षता वाली राज्य भाजपा इकाई में नेतृत्व या संगठनात्मक फेरबदल में कोई बदलाव नहीं होगा।

कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों का अपमान किया - मोहन यादव

मध्य प्रदेश, एजेसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा को कई सौगात देने का वादा करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा आदिवासियों का सम्मान किया है तो कांग्रेस ने अपमान। मुख्यमंत्री ने छिंदवाडा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह के समर्थन में छिंदी एवं सुरलाखापा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा के विकास को ग्रहण लगा था, अब जनता ने हटा दिया है। यहां अब विकास ही विकास होगा। छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज के लिए बजट में दो करोड़ध की राशि रखी गई है, वहीं, अमरवाड़ा में विकास कार्यों के लिए अलग से राशि रखी गई है। यहां कॉलेज भी होगा और जनता की मांग पर उप तहसील भी खोली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कमलनाथ के परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि यहां केवल एक ही परिवार हेलीकॉप्टर में घूमता था, लेकिन अब आयुष्मान योजना के तहत कोई बुजुर्ग बीमार होगा और उसे इलाज के लिए

आवश्यकता होगी तो उसे दूसरी जगहों पर हेलीकॉप्टर से लेकर जाया जाएगा। उन्होंने सुरलाखापा में पूर्व सरपंच अखिलेश धुर्वे के निवास पहुंचकर भोजन किया। सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा आदिवासियों का सम्मान किया है। कांग्रेस हमेशा आदिवासियों का अपमान करती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी बहन द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का काम किया। वहीं, बिरसा मुंडा को सम्मान दिलाने का काम किया। प्रदेश सरकार ने रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के नाम से सम्मान और टंट्या मामा विश्वविद्यालय बनाने का फैसला लिया। हमारी पार्टी ने आदिवासियों का ध्यान रखकर विकास की दिशा में कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में कोदो-कुटकी को प्रदेश सरकार 4,290 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से खरीदेगी। चिरोंजी का कारखाना लगाया जाएगा और दूध पर बोनस दिया जाएगा।

जड़ी-बूटियों को उचित दाम मिले, इसके लिए सरकार की तरफ से प्रयास किए जाएंगे। वन क्षेत्र में जिन्हें पट्टे नहीं मिले हैं, उन्हें सरकार आने वाले समय में पट्टे देगी।

यहां के एक बड़े नेता ने बड़ा हनुमान जी का मंदिर बनवाया, लेकिन जामसांवली हनुमान मंदिर में एक ईंट तक नहीं लगाई। सरकार जामसांवली में हनुमान लोक बनाएगी। यहां से नागपुर के लिए हवाई सेवा भी शुरू की जाएगी।

जारी रहेगा मुस्लिम आरक्षण - सीएम नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। चंद्रबाबू नायडू ने मोदी से मुलाकात के एक दिन बाद कहा, उनका दल पहले ही कह चुका है कि मुसलमानों को दिया गया आरक्षण सामाजिक न्याय के लिए है, न कि तुष्टीकरण के लिए। उन्होंने कहा कि राज्य में मुसलमानों का आरक्षण जारी रहेगा। अपनी दिल्ली यात्रा के अंत में मीडिया से बातचीत करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख ने अल्पसंख्यक आरक्षण को लेकर एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जब भी जरूरत होगी, मैं तैयार हूं। यदि राजग की ओर से कोई प्रस्ताव आता है, तो मैं इस पर विचार करूंगा।

एफडीआई प्रवाह में गुजरात ने मारी बाजी, वित्त वर्ष 2023 -24 में 55 प्रतिशत अधिक रहा एफडीआई प्रवाह

गाँधीनगर, एजेसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी नए आँकड़ों के अनुसार गुजरात ने पिछले वित्त वर्ष में +4.7 बिलियन की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 55 प्रतिशत अधिक यानी +2.6 बिलियन थ्क् हासिल करते हुए थ्क् प्रवाह में देश में सबसे अधिक ग्रोथ दिखाई है। गुजरात ने वित्त वर्ष 24 में +7.3 बिलियन डॉलर का नया प्रत्यक्ष विदेश निवेश हासिल करते हुए थ्क् प्रवाह में कर्नाटक और दिल्ली को पछाड़कर दूसरा स्थान भी हासिल किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने राज्य में कई उद्योग अनुकूल निर्णय व नीतियों को लागू किया है जिसका परिणाम यह हुआ है कि गुजरात ने लगातार तीन वित्त वर्ष यानी वित्त वर्ष 2022 में +2.7 बिलियन, वित्त वर्ष 2023 में +4.7 बिलियन और वित्त वर्ष 2024 में +7.3 बिलियन का निवेश हासिल कर लगातार एक उत्तरोत्तर

वृद्धि दर्शाई है। गुजरात को लगातार मिल रहे एफडीआई प्रवाह के बारे में गुजरात के उद्योग एवं खान विभाग के मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने बताया कि, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदीजी के मार्गदर्शन में हमारे मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राज्य में निवेश और व्यापार के लिए स्टेट ऑफ दि आर्ट इण्डस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर इण्डस्ट्री फ्रेंडली पॉलिसीज तक हर संभव सुविधा की उपलब्धता हो। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों के कारण आज गुजरात सेमीकण्डक्टर और दूसरे बड़े सेक्टर्स में भी बड़े निवेश हासिल कर रहा है।

गुजरात में एफडीआई प्रवाह के प्रमुख कारणों में अत्याधुनिक औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, उद्योग अनुकूल नीतियाँ, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस शामिल हैं। यही कारण है

कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुजरात ने मार्की प्रोजेक्ट्स जैसे कि सेमी कण्डक्टर सेक्टर में भारी निवेश हासिल किया है। साथ ही, पिछले तीन सालों में क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों जैसे अक्षय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, और इलेक्ट्रॉनिक्स नीति के प्रभावी कार्यान्वयन ने भी एफ डी आई प्रवाह को आकर्षित करने में सहायता की है।

पीएम मोदी और मेरे पिता के रिश्ते बहुत खुबसूरत रहे - चिराग पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक वीडियो संदेश जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने पिता रामविलास पासवान के रिश्ते के बारे में बताया। चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री और मेरे पिता के रिश्ते बहुत खूबसूरत रहे हैं। पीएम मोदी ने मेरे पिता को हमेशा प्यार, आदर और सम्मान देने का काम किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और मेरे पिता के बीच एक राजनीतिक परिचय से ज्यादा व्यक्तिगत परिचय रहा है। दोनों कलीग रहे हैं, मेरे पिता लंबे समय तक पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में रहे हैं। 2014 में पहली बार मोदी सरकार में उन्हें मंत्री पद दिया था। मेरे लिए यह बड़ी बात थी, जब 2020 में विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मेरे पिता के जाने के बाद मंच से उन्होंने उन्हें याद करते हुए कहा कि वह अपनी अंतिम सांस तक प्रधानमंत्री जी के साथ थे। यह सच है, मेरे पिता ने हर संभव प्रयास किया कि जो जिम्मेदारी प्रधानमंत्री द्वारा उनको दी गई, उन जिम्मेदारियां को वो बखूबी निभाएं। प्रधानमंत्री ने भी मेरे पिता द्वारा किया गए हर कार्य को सराहने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज मेरे पिता के जाने के बाद प्रधानमंत्री जी जब मंच से उनको याद करते हैं। उन्हें अपना दोस्त, मित्र, करीबी, साथी कहकर जब संबोधित करते हैं, तब मुझे एक पुत्र होने के नाते अच्छा लगता है। मेरे और मेरे परिवार के लिए यह बड़ी बात है कि देश के प्रधानमंत्री मेरे पिता के जाने के बाद आज भी उनको इतना अपनापन से याद करते हैं।

दो सप्ताह में 12 पुल ढहने के बाद एक्शन में नीतीश सरकार, 11 इंजीनियर निलंबित

बिहार, एजेंसी। बिहार में दो सप्ताह में कुल 12 पुल ढहने के बाद, राज्य सरकार ने 11 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया। नीतीश

कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने नए पुलों के पुनर्निर्माण का भी आदेश दिया है। निर्माण की लागत दोषी पाए गए ठेकेदारों पर लगाई जाएगी। यह निर्णय उड़न दस्तों द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद लिया गया, जिसमें बताया गया था कि पुलों के ढहने के पीछे मुख्य कारण इंजीनियरों की लापरवाही और निगरानी की अप्रभावीता थी। राज्य जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद ने इंजीनियरों पर उचित देखभाल नहीं करने का आरोप लगाया और घटनाओं के पीछे ठेकेदारों की मेहनत पर प्रकाश डाला।

मीडिया को जानकारी देते हुए प्रसाद ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि इंजीनियरों ने उचित देखभाल नहीं की और ठेकेदार भी मेहनती नहीं थे। इससे पहले, गुरुवार को बिहार के सारण जिले में एक और पुल के ढहने के साथ, पिछले 17 दिनों में ऐसी घटनाओं की कुल संख्या बढ़कर बारह हो गई। घटनाओं के बारे में बोलते हुए, ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) के सचिव दीपक सिंह ने कहा, अररिया में बखरा नदी पर पुल 18 जून को क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जांबाज जवानों को वीरता पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सेना और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों को अदम्य साहस और असाधारण वीरता के लिए 10 कीर्ति चक्र प्रदान किए, इनमें सात मरणोपरांत हैं। राष्ट्रपति ने 26 शौर्य चक्र भी प्रदान किए और इनमें भी सात मरणोपरांत हैं। अशोक चक्र के बाद कीर्ति चक्र देश में शांतिकाल का दूसरा और शौर्य चक्र तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह के दौरान सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के पुलिसकर्मियों को ये अलंकरण प्रदान किए पुरस्कार विजेताओं की सूची के अनुसार, भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स की 55वीं बटालियन में ग्रेनेडियर्स के सिपाही पवन कुमारय पंजाब रेजिमेंट की 26वीं बटालियन के आर्मी मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमान सिंहय पैराशूट रेजिमेंट की 9वीं बटालियन के हवलदार अब्दुल मजीद को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

इन्हें किया गया सम्मानित

सीआरपीएफ की 210 कोबरा बटालियन के इंस्पेक्टर दिलीप कुमार दास, हेड कांस्टेबल राज कुमार यादव, कांस्टेबल बबलू राभा और कांस्टेबल शंभू राय को भी मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। इनके अलावा मेजर रैंक के दो अधिकारियों एवं एक नायब सूबेदार को भी कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। वहीं,

छह सैन्यकर्मियों के अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक कांस्टेबल को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। साथ ही सेना, वायुसेना, नौसेना और गृह मंत्रालय के अधीन सेवाएं देने वाले कर्मियों के एक समूह को भी शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। बाद में अपने एक्स हैंडल पर समारोह की तस्वीरें साझा कीं।

हाथरस हादसे पर एसआईटी ने सीएम योगी को सौंपी जांच रिपोर्ट

लखनऊ, संवाददाता। हाथरस भगदड़ की जांच के लिए गठित एसआईटी ने उस त्रासदी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें इस सप्ताह की शुरुआत में कम से कम 123 लोगों की जान चली गई थी। यह भगदड़ मंगलवार को धार्मिक उपदेशक नारायण साकार हरि, जिन्हें श्भोले बाबाश के नाम से भी जाना जाता है, के श्सत्संगश के दौरान हुई। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी को 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। यह एसआईटी रिपोर्ट एडीजी आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ कमिश्नर चौत्रा वी के तहत

तैयार की गई थी। 15 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट में डीएम और एसपी समेत करीब 100 लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। एसआईटी के सदस्यों ने भगदड़ का कारण जानने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, कार्यक्रम से जुड़े लोगों और सेवादारों से बात की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने डीजीपी प्रशांत कुमार से हाथरस मामले पर पूरी जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कुछ ऐसे राजनीतिक नेताओं के नाम का जिक्र है जिनके चुनाव में श्भोले बाबाश ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा श्भोले बाबाश के अन्य लिंक्स का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट राजनीतिक साजिश की ओर इशारा करती है। सभा में लोगों की संख्या का अनुमान नहीं लगा पाने को लेकर कुछ स्थानीय नेताओं, सेवादारों, कार्यक्रम के आयोजकों और वहां तैनात अन्य अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। हाथरस का दौरा किया था. उन्होंने घटना में घायल हुए लोगों और उन लोगों से मुलाकात की जिनके प्रियजनों की जान चली गई। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब सत्संग में हालात बिगड़े तो भोले बाबा के सेवक वहां से भाग गए।

बाढ़ से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार का एक्शन, ईस्ट दिल्ली में बनाया फ्लड कंट्रोल रूम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानसून से निपटने के लिए यमुना के जल स्तर की निगरानी के लिए 24श्7 बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। आतिशी ने कहा कि हमने बाढ़ राहत और बाढ़ नियंत्रण के संबंध में दिल्ली सरकार और सभी संबंधित विभागों की तैयारियों का ध्यान रखा है। अगर यमुना पानी का स्तर बढ़ता है, तो दिल्ली सरकार उससे निपटने के लिए तैयार है। दिल्ली के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आतिशी ने कहा कि

कार्यालय पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट में स्थापित किया गया है और यह हथनी कुंड बैराज से वास्तविक समय का डेटा एकत्र करेगा, जहां से यमुना का पानी छोड़ा जाता है। जिनमें दिल्ली सरकार के अधिकारी, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली दिल्ली नगर निगम के अधिकारी शामिल होंगे।

संपादकीय

मणिपुर में अशांति

मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई और कुकी जनजातीय लोगों के बीच भयंकर जातीय युद्ध छिड़ने के चौदह महीने बाद भी राज्य में भारी संकट बना हुआ है। कुकी लोग इम्फाल घाटी में पैर नहीं रख सकते, जो मैतेई लोगों का गढ़ है और मणिपुर का सबसे विकसित हिस्सा है, जहां राज्य की राजधानी इम्फाल स्थित है, और मैतेई लोग पहाड़ियों में, चुराचांदपुर, टेंग्नौपाल, कांगपोकपी और अन्य जिलों में नहीं जा सकते। ऐसा उनके जीवन के डर के कारण है। यह उन समुदायों के बीच दुश्मनी और अविश्वास के स्तर को भी स्पष्ट करता है, जो अन्यथा सदियों से एक साथ सापेक्ष सद्भाव में रहते आए हैं। और हां, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के मंत्रिमंडल के दो मंत्रियों सहित 10 कुकी–जो विधायक भी पिछले 14 महीनों के दौरान राजधानी इम्फाल नहीं आए हैं और न ही वे राज्य विधानसभा की कार्यवाही में शामिल हुए हैं या अपने कार्यालयों में गए हैं। जातीय संघर्ष के एक साल बाद, गतिशीलता बहुत बदल गई है। इंफाल घाटी में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शस्त्रागारों से हथियार और गोला–बारूद की लूट पर उत्साह का दौर खत्म होता दिख रहा है। अनुमान है कि हिंसा के चरम पर भीड़ ने करीब 5,000 हथियार और 500,000 राउंड गोला–बारूद लूट लिया, जिससे मणिपुर देश के सबसे सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक बन गया। ऐसा लगता है कि राज्य के आम लोग अपने रोजमर्रा के कामों जैसे बच्चों की शिक्षा, व्यापार और नौकरी की तलाश में लग गए हैं। यह निश्चित है कि मणिपुर से पूंजी का पलायन हुआ है और जिनके पास साधन हैं, वे पड़ोस के शांतिपूर्ण शहरों जैसे कि गुवाहाटी में अपार्टमेंट खरीद रहे हैं। इस सप्ताह, स्थानीय राजनेताओं ने स्वीकार किया कि वे अपने मतदाताओं और मतदाताओं से स्थिति को सुलझाने, हिंसा को समाप्त करने और मणिपुर में व्यवस्था बहाल करने के लिए दबाव में थे। समाज के समझदार लोग लंबे समय से यह सवाल पूछ रहे थे कि केंद्र और राज्य दोनों में सरकारें हिंसा को समाप्त करने में अब तक विफल क्यों रही हैं। अब यह सवाल एक कोरस में बदल गया है। पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इंफाल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए विधायकों की एक बैठक की अध्यक्षता की और उनकी बातें सुनीं। सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों के बीच इस बात को लेकर सुगबुगाहट है, जिनमें से कुछ इस्तीफा देने के पक्ष में हैं क्योंकि वे राज्य में शांति वापस लाने में सफल नहीं हुए हैं। यह एक तथ्य है कि केंद्र और बीरेन सिंह सरकार द्वारा व्यवस्था बहाल करने और 14 महीने से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में विफलता ने भाजपा को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। एनडीए ने हाल ही में संपन्न संसदीय चुनावों में मणिपुर की दोनों लोकसभा सीटें कांग्रेस के हाथों खो दी हैं। अब बीरेन सिंह सरकार और गठबंधन सहयोगी – भाजपा, जेडी–यू, नेशनलिस्ट पीपल पार्टी (एनपीपी) और नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) – इस तनाव को महसूस कर रहे हैं। कई विधायक पिछले हफ्ते वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं से मिलने और मणिपुर में हिंसा को समाप्त करने के लिए केंद्र से अनुरोध करने के लिए नई दिल्ली पहुंचे। विधायकों के राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने से ठीक पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के राज्यपाल और सेना प्रमुख सहित देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा की गई सुरक्षा समीक्षा एक ऐसी पहल थी जो बहुत कम और बहुत देर से की गई? सोमवार (1 जुलाई) को जब मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने इंफाल में कहा कि अब उनके या अन्य नेताओं के लिए मुख्यमंत्री के तौर पर पद छोड़ने का समय नहीं है क्योंकि उन्हें राज्य को इस संकट से उबारना है, तो संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मणिपुर का दौरा न करने और मोदी सरकार पर स्थिति को बिगड़ने देने के लिए तीखा हमला किया। हालांकि बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार राज्यसभा में इस मुद्दे को संबोधित करते हुए कहा कि मणिपुर में हिंसा कम हो रही है और केंद्र और राज्य सरकार राज्य में शांति बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर को अतीत में 10 बार राष्ट्रपति शासन के तहत रखा गया था, जाहिर तौर पर समस्याओं के कारण, और भाजपा शासन के दौरान ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कांग्रेस से आग में घी डालने से मना किया। इसे इस बात का संकेत माना जा सकता है कि मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली बीरेन सिंह सरकार बिना किसी बाधा के बनी रहेगी। लेकिन, मणिपुर में आगे की राह चुनौतियों से भरी है। सबसे पहले, दोनों समुदायों को बातचीत के लिए आमने–सामने लाना एक चुनौती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे अपनी–अपनी स्थिति पर अड़े हुए हैं और दूसरा, क्योंकि बातचीत, अगर हो भी तो, तटस्थ स्थान पर होनी चाहिए। तटस्थ स्थान ढूँढना आसान हो सकता है, लेकिन उन्हें उनके रुख से पीछे हटाना मुश्किल है। कुकी कह रहे हैं कि वे अब मैतेई के साथ नहीं रह सकते या काम नहीं कर सकते और इसलिए उन्हें एक अलग प्रशासन मिलना चाहिए, जिसका मतलब केंद्र शासित प्रदेश हो सकता है। मैतेई एकजुट मणिपुर के पक्ष में हैं, लेकिन कुकी के बिना, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे म्यांमार से घुसपैठ कर आए हैं और इसलिए उन्हें वापस खदेड़ दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह कहते हैं कि ऐसा नहीं होना चाहिए। सभी कुकी अवैध प्रवासी हैं और वे केवल वास्तविक अवैध प्रवासियों के खिलाफ हैं। मैतेई नागरिक समाज मणिपुर में नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर के लिए दबाव बना रहा है। युद्ध की रेखाएँ स्पष्ट रूप से खींची गई हैं।

लोकसभा का पहला सत्र और भविष्य के संकेत

विनोद

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पास कराने के साथ ही संसद की कार्यवाही 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। आम चुनाव के बाद 18वीं लोकसभा की कार्यवाही 24 जून को शुरू हुई थी जो कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तर के बाद 2 जुलाई को तथा राज्यसभा का 264 वां सत्र प्रधानमंत्री के उत्तर के बाद 3 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। लेकिन पक्ष और विपक्ष के बीच संसद के इस सत्र में और खासकर लोकसभा में जिस तरह का संग्राम हुआ वह भविष्य के संसदीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी बजा गया। दरअसल, लोकसभा में एनडीए और इंडिया नाम के दो गठबंधन पक्ष और विपक्ष के जैसे आचरण करने के बजाय दो घोर शत्रुओं का जैसा आचरण कर रहे थे और पीठासीन अधिकारी पंच परमेश्वर की भूमिका नहीं निभा रहे थे। जिम्मेदार नेता संसदीय आचरण और परम्पराओं को भूलकर राष्ट्रहित की बातें कम और एक दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत जहर ज्यादा उगल रहे थे, इसलिए कहा जा सकता है कि दोनों हाथों से ताली बजने के कारण संसद में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पैदा हुई है जो आने वाले सत्रों के लिए बहुत बुरा संकेत है।

टकराव स्पीकर के चुनाव से हुआ शुरू

संसद में टकराव स्पीकर के चुनाव को लेकर ही शुरू हो गया था। सत्ता पक्ष विपक्ष को यह संदेश देना चाहता था कि तुम चाहे हमारा आधार और लोकप्रियता घटने का जितना भी प्रचार करो और बहुमत न मिलने का चाहे जितना भी ढोल क्यों न पीट लो मगर सरकार हमारी ही बन गई और तुम सब मिलकर भी एक अकेली भाजपा के बराबर नहीं पहुंच सके। सत्ता पक्ष पहले ही मंत्रियों को पुराने विभाग देकर संदेश दे चुका था कि सबकुछ वही है और सरकार का इकबाल उतना ही बुलंद है, इसलिए स्पीकर भी वही रहेंगे जो कि मोदी–2 में थे। लेकिन विपक्ष सत्रहवीं लोकसभा के कटु अनुभव नहीं भूला था। पिछली बार विपक्ष के जो 140 सांसद संसद से निलंबित किए गए उनमें 100 सांसद लोकसभा के थे। यही नहीं विपक्ष को स्पीकर ओम बिड़ला से एक नहीं बल्कि अनेक शिकायतें थीं इसलिए विपक्ष का ओम बिड़ला के नाम से बिदकना स्वाभाविक ही था। लेकिन टकराव की असली वजह इस बार विपक्ष के और ताकतवर बन कर उभरने की तथा सत्ता पक्ष और खासकर भाजपा के कमजोर होने की थी, इसलिए विपक्ष भी सत्ता पक्ष को अपनी ताकत का अहसास दिलाने के लिए डिप्टी स्पीकर की मांग पर अड़ा रहा। बहरहाल लोकसभा में महज ध्वनिमत से ओम बिड़ला स्पीकर चुन लिए गए।

संविधान का मुद्दा भी गरमा गया माहौल

चूंकि विपक्षी इंडिया खेमे ने आम चुनावों के दौरान संविधान को खतरे का मुद्दा बनाया था और उसे कुछ हद तक इसका लाभ भी मिला था, इसलिये विपक्षी सदस्यों ने उस मुद्दे को जिन्दा रखने के लिए संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर लोकसभा सदस्यता की शपथ ली। जो कि सत्ता पक्ष को नागवांर गुजरी। इसलिये उसने भी राष्ट्रपति और पीठासीन अधिकारियों के मार्फत 1975 में लगी इमरजेंसी की याद विपक्ष को दिला दी। इसने आग में घी डालने का काम किया।

सर्वविदित् है कि राष्ट्रपति का भाषण कैबिनेट द्वारा तैयार होता है और उसी की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति द्वारा पढ़ा जाता है। लेकिन स्पीकर या राज्यसभा के सभापति की ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। लोकसभा में स्पीकर का एक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम लेकर इमरजेंसी का निन्दा प्रस्ताव पढ़ना विपक्ष और खास कर विपक्ष के सबसे बड़े दल को नागवार गुजरना स्वाभाविक ही था। बात यहीं समाप्त नहीं हुई। लोकसभा में

प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का भाषण प्रधानमंत्री को उकसाने के लिए काफी था और उसके जवाब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जिस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी पर केन्द्रित किया उसका जवाब उन्हें तत्काल ही सदन में भारी हूटिंग से मिल गया। पिछली बार विपक्ष बहुत कमजोर और बंटा हुआ था इसलिए अक्सर सत्ता पक्ष के भारी बहुमत की हूटिंग से विपक्ष के नेताओं की आवाजें दब जाया करतीं थीं। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने अपनी आवाज के बढ़े हुए वॉल्यूम का अहसास जानबूझ कर प्रधानमंत्री को दिलाया।

परिवार का मूल्य की ओर सोचने की जरूरत

क्षमा

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा–दादी और नाना–नानी को पोते–पोतियों, नाती–नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता–पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं। इस खबर को पढ़कर वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा–दादी, नाना–नानी बारी–बारी से अपने नाती–नातिनों, पोते–पोतियों की देखभाल करने के लिए छह–छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के–लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते–बिल्लियां पालते हैं। सुबह–शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। लेकिन विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना–बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता–पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व–त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते। इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा–पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते। ऐसी भी खबरें आती हैं कि जब माता–पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नेस्तनाबूद किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं। किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं मिलती, जो दादा–दादी या नाना–नानी के रहते होती है। सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों की उचित देखभाल की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, जब युवाओं को यह बताया जाएगा कि परिवार तुम्हारे कॅरिअर में सबसे बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार क्यों बसाएंगे। लेकिन स्वीडन का कानून बता रहा है कि अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पुरानी पीढ़ी का होना और बच्चों को उनका स्नेह मिलना कितना जरूरी है। दादा–दादी या नाना–नानी के सान्निध्य में बच्चों की परवरिश से बहुत से अच्छे मूल्य उनके मन में आसानी से जगह बना लेते हैं। वे माता–पिता के काम पर जाने के बाद खुद को अकेला नहीं महसूस करते हैं। उनमें सुरक्षा की भावना भी मजबूत होती है। अपने यहां आजादी के नाम पर हम जिस परिवार के बिखराव का जश्न मना रहे हैं, उस बारे में भी सोचने की जरूरत है। दुनिया में कहीं भी सिर्फ अपने अकेले के भरोसे न जीवन जिया जा सकता है, न चुनौतियों से मुकाबला ही संभव है।

नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में

श्याम

पड़ोसी मुल्क नेपाल में सियासी लुका–छिपी का खेल बरसों–बरस

से जारी है। हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलह वर्षों का सियासी लेखा–जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार मे शामिल सीपीएन–यूएमएल के आठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन–यूएमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी–बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज श्री प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन कब काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर रहेगी। यह राजनीतिक बदलाव चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रधानमंत्री प्रचंड का साफ कहना है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएन– मायोवादी सेंटर के मुखिया पुष्प कमल दहल प्रचंड को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, यह सियासी टीकाकारों के मूल्यांकन का विषय है। इस दिन आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल खुशी का इजहार किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद को निपटाकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे दिया। संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर उभरे प्रचंड को इस पद पर गंभीर दावेदार नहीं माना जा रहा था। इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर कब्जा करके सबसे बड़ी पार्टी बन गयी। नेपाल में 276 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 138 सीटें हासिल करना अनिवार्य है। सीपीएन–यूएमएल के खाते में 78 सीटें आईं, जबकि प्रचंड की पार्टी को महज 32 सीटों पर ही सफलता मिली। केवल 32 सीट जीतने के बावजूद प्रचंड गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गए। प्रचंड को नेपाल के सबसे बड़े विजयी दल– नेपाली कांग्रेस का साथ मिल गया। यह बेमेल गठबंधन अंततः 15 मार्च 2022 को टूट गया। सियासत के चतुर खिलाड़ी श्री प्रचंड ओली की पार्टी के बूते सरकार बचाने में सफल रहे। करीब–करीब 02 साल में यह तीसरी बार सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक नई सरकार में डेढ़ साल तक केपी शर्मा ओली पीएम बनेंगे, जबकि बचे हुए कार्यकाल पर शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बनेंगे। पेंडुलम की मानिंद नेपाली सियासी दंगल में हार न मानने वाले प्रधानमंत्री श्री प्रचंड अंत तक सरकार बचाने की जुगत में रहे। उन्होंने इस सियासी संक्रमण काल से उभरने के लिए पहली जुलाई को आपात बैठक बुलाई, लेकिन राजनीतिक हवा को भांपते हुए अंतिम क्षणों में इस बैठक को निरस्त कर दिया। अंततः गठबंधन सरकार को बचाने की सारी कवायद विफल हो गई। इस्तीफा न देने पर अड़े हताश एवम् निराश प्रचंड को नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण सलाह देते हैं, बदलते सियासी परिदृश्य के चलते अल्पमत में आई प्रचंड सरकार को खुद इस्तीफा देने की पहल करनी चाहिए, ताकि नेपाल में नए गठ बंधन की सरकार स्थापित हो सके। नेपाल में यूं तो संसदीय लोकतंत्र का शंखनाद 1951 में हो गया था, लेकिन इसे नेपाली राजशाही ने 1960 और 2005 में निलंबित कर दिया। 2008 में धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना के साथ ही दुनिया की अंतिम राजशाही का अंत हो गया। 2015 में नया संविधान लागू हुआ तो नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। यहां का संविधान बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक विशेषताओं से लबरेज है। कहने को तो, नेपाल और भारत में रोटी–बेटी का संबंध है। सियासी भाषा में नेपाल को भारत का लघु भ्राता भी कहा जाता है, लेकिन नेपाल की आयु भारत से दो गुना से भी ज्यादा है। दस्तावेजों के मुताबिक नेपाल का आधिकारिक रूप से गठन 25 सितंबर 1768 में हुआ था। भारत के मानिंद नेपाल कभी भी उपनिवेशिक बंधन में नहीं रहा है, जबकि भारत का आधिकारिक गठन 15 अगस्त 1947 में हुआ। नेपाल भारत से 178 वर्ष, 10 महीने और 21 दिन बड़ा है। किंग्स कॉलेज, लंदन में किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर एवम् आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन थिंक टेंक में उपाध्यक्ष (अध्ययन एवम् विदेश नीति) श्री हर्ष वी. पंत नेपाल में सियासी करवट पर कहते हैं।

धर्म आस्था के नाम पर मासूम जनता की जान के साथ खिलवाड़

ललित

भारत में भोली भाली आम जनता को धर्म के नाम पर ठगने सनकी आस्थाओं के साथ खिलवाड़ करने का सिलसिला लगातार जारी है आज के टेक्नोलॉजी के साथ ये बाबा भी हाईटेक ढंग से ठगने का काम करने मैं लगे हुए हैं नित नए फर्जी बाबाओं की पोल खुलती जा रहीं हैं समागम के नाम पर भीड़ एकत्रित करना हादसे होना उनमें मासूम जनता की जान जाने की घटनाएं थामने का नाम नहीं ले रही हैं। आज देश में आजादी का अमृतकाल हो न हो, लेकिन फर्जी बाबाओं का स्वर्णकाल जरूर चल रहा है। यूपी के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ थाने के फुलरई गांव में एक स्वयंभू बाबा के अंधभक्तों ने बाबा की चरण रज सिर माथे लगाने के चक्कर में जिस तरह 121 जानें गंवाई हैं, वह समूचे देश में बाबावाद के कैंसर के लाइलाज होने का निशानी है। सवाल यह है कि क्या बाबा को इस मानव निर्मित हादसे का आरोपी न बनाने के पीछे कोई राजनीतिक मजबूरी है, कोई जातीय गणित है या फिर इस नरसंहार का भी कोई सियासी फायदा उठाने की दूरगामी सोच है? समझना मुश्किल है कि अगर बाबा इस मामले में निर्दोष है तो यूपी पुलिस बाबा को क्यों ढूंढ रही है और अगर बाबा इस हादसे के लिए जिम्मेदार है तो उसका नाम पुलिस की प्राथमिकी में क्यों नहीं है? इस बीच पुलिस ने आयोजन समिति के 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और मुख्य आरोपी पर 1 लाख रुपये. का इनाम घोषित किया है। उधर अज्ञातवासी भोले बाबा ने एक वकील के जरिए अंग्रेजी में एक संवेदना संदेश भक्तों ने नाम जारी किया। यह भी अपने आप में मजाक है, जिस बाबा को ठीक से शुद्ध हिंदी भी बोलनी नहीं आती और जिसके लाखों भक्तों ग्रामीण क्षेत्रों से आते हों, बाबा उन्हें अंग्रेजी में सांत्वना दे रहा है। इस संवेदना संदेश की भाषा भी निहायत गैर जिम्मेदाराना है। बाबा ने कहा– 'आश्रम में जो हादसा हुआ, उसके पीछे शरारती तत्वों का हाथ है। मृतकों के प्रति संवेदना है। लेकिन मैं इस हादसे के पहले ही आश्रम से निकल लिया था।' अगर इस बात को भी थोड़ी देर के लिए सही मान लिया जाए कि बाबा हादसे के पहले निकल लिया था तो हादसे की सूचना मिलते ही बाबा को तुरंत आश्रम लौटना चाहिए था। अपने ही मौत से जूझते भक्तों की मदद करनी चाहिए थी। बाबा की मोबाइल डिटेल से खुलासा हो चुका है कि उसे हादसे की जानकारी तभी मिल गई थी, लेकिन वह भाग खड़ा हुआ। ये वही बाबा है, जो हमेशा अपने भक्तों को 'मानव धर्म सर्वश्रेष्ठ है', की शिक्षा रात–दिन देता है। लेकिन जब इस मानव धर्म की अग्नि परीक्षा की घड़ी आई तो खुद ही उसे कचरे की टोकरी में डाल दिया। आखिर मौत की मिट्टी को माथे लगाने की होड़ में दम तोड़ते भक्तों को उनके भाग्य पर छोड़ना कौन सा मानव धर्म है? और बाबा ही क्यों, उसके सेवादार नामधारी तमाम गुर्गे भी हादसे के वक्त भाग खड़े हुए। इस भयावह हादसे के पीछे के कारणों की कई थ्योरियां और कडिघ्यां अब सामने आ रही हैं। जिसमे स्थानीय पुलिस प्रशासन की लापरवाही भी शामिल है। लाखों लोगों के समागम को बहुत हल्के में लिया गया। बाबा के अतीत की कुंडली भी खुल चुकी है। यह साफ हो चुका है कि बाबा सूरजपाल जाटव कभी यूपी पुलिस में सिपाही था। बाद में खुद को दिव्य आध्यात्मिक शक्ति से लैस बताने लगा। संतान न होने से उसने एक भतीजी को गोद लिया था। जिसकी मौत पर उसे आध्यात्मिक शक्ति से फिर से जिंदा करने का दावा किया। कहते हैं कि युवती कुछ क्षणों के लिए हरकत में भी आई और बाद में मर गई। इस फर्जीवाड़े को लेकर सूरजपाल के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया था। लेकिन इस पर उसके अनुयायियों ने श्मशान घाट पर ही भारी हंगामा किया था। बाद में धीरे– धीरे सूरजपाल ने खुद को भगवान कृष्ण के अवतार के रूप में प्रचारित करना शुरू किया। लेकिन दूसरे समकालीन बाबाओंकी तुलना में उसने खुद को मीडिया से दूर रखा। भोले बाबा ने माउथ पब्लिसिटी और भोले भाले लोगों को सम्मोहित कर अपना जाल बिछाया। करोड़ों की सम्पत्ति बटोरी। आध्यात्मिक शक्ति से लोगों के समस्या निदान का ऐसा वातावरण तैयार किया कि लोग हैंडपंप के सादे पानी को गंगाजल से भी ज्यादा पवित्र और औषधिक मानने लगे। उसने एक पूरा तंत्र खड़ा किया, जो बाबा और उसकी पत्नी को दिव्य अवतार के रूप में प्रचारित करते हैं। इसमें शक नहीं कि ऐसे सभी बाबा अपनी वाणी और देहभाषा से लोगों को सम्मोहित करने और अलग आभा मंडल कायम करने की प्रतिभा रखते हैं। उनमें ब्रेन वॉश करने की काबिलियत होती है। लोग बाबा की बातों को ब्रह्मवाक्य समझने लगते हैं। बाबा को अवतारी पुरूष और दुनिया की हर समस्या का समाधान करने वाली दिव्यात्मा मानने लगते हैं। फुलरई आश्रम में बाबा की चरण रज माथे से लगाकर हर रोग का निदान होने की भ्रामक सोच इसी दिमागबंदी का नतीजा है। इस सोच की पराकाष्ठा तो तब दिखी, जब भोले बाबा के एक भक्त ने मीडिया से यह कहा कि बीमारी का इलाज तो डॉक्टर करते हैं। लेकिन डॉक्टर का दिमाग भोले बाबा ही नियंत्रित करते हैं। ये सभी अंध भक्त पढ़े लिखे हैं। मानो यह बाबा ही समाज का आध्यात्मिक डॉक्टर है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि आजादी के 75 साल में जहां देश में साक्षरता की दर 12 फीसदी से बढ़कर 76. 32 फीसदी हो गई है, उसी अनुपात में समाज में अंध भक्ति और अवैज्ञानिक सोच भी बढ़ी है। लोग साक्षर तो हो रहे हैं लेकिन शिक्षित नहीं हो रहे। समाज को दिशा देने वाले सच्चे संतो के साथ साथ ऐसे ढोंगी बाबा पहले भी रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में इनकी संख्या तेजी से बढ़ी है। अंधविश्वासी बाबावाद अब एक मुनाफे का धंधा बन चुका है। 2017 देश में ऐसे 14 फर्जी बाबा थे, जिनकी संख्या अब करीब ड्योढ़ी हो चुकी है और राजनीतिक संरक्षण इनकी दुकान को शो रूम में तब्दील कर देता है। हाथरस भगदड़ कांड भी मतिविहीन सोच के कारण हुआ हत्याकांड ही है। इस तरह भोले भाले लोगों को मारने की इजाजत किसी को कैसे दी जा सकती है? हाथरस की घटना से देश के कुछ दूसरे बाबा भी सतर्क तो हुए हैं, लेकिन उनके हौसलों पर असर पड़ने वाला नहीं है।

वाराणसी की नेहा सिंह मिसेज यूपी जौनपुर की शैली मिश्रा मिस यू पी क्वीन 2024 विजेता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एक तरफ जहां केंद्र ब प्रदेश की सरकार बेटियों को पढ़ने के लिए और उन्हें सर्वोच्च पद पर बैठने के लिए हर तरह के प्रयास कर रही है साथ ही

दिव्यांगजनों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए तमाम तरह के प्रयास किया जा रहे हैं तो वही इस काम में जनपद के होनहार और युवा कलाकार इस काम में लगे हुए हैं ।नगर के उत्सव होटल में फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट एवं जारा ग्रुप द्वारा आयोजित साल्वेशन हॉस्पिटल एवं उत्सव मोटल द्वारा प्रायोजित मिस एंड मिसेज क्वीन सीजन 3 2024 का आयोजन किया गया ।आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के लिए चौरिटी शो एवं प्रदेश की बेटियों के लिए प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने विजेताओं के सिर पर ताज पहनाया और उन्हें ट्रॉफी दिया। वहीं संस्था द्वारा इस कार्यकम से एकत्रित किए गए कलेक्शन 100000 रुपए का चेक स्नेहा ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों के कल्याण एवं उनके पुनर्वास के लिए ट्रस्ट के संचालक समाजसेवी राजेश कुमार को दिया गया । प्रतियोगिता तीन चरण में हुआ पहले इंडियन राउंड दूसरा टैलेंट राउंड एवं तीसरा वेस्टर्न राउंड सभी राउंड में सारे प्रतिभागियों को पीछे करते हुए शैली मिश्रा ने मिस यूपी नेहा सिंह ने मिसेज यूपी क्वीन के खिताब को अपने नाम किया पूरे यूपी से सेलेक्ट होकर 15 मिस एवं 10 मिसेज ने प्रतिभा किया था कार्यक्रम के निर्णायक मंडल के रूप में एकता सिंह मिसेज एशिया एकता तिवारी मिसेस इंडिया सोनल श्रीवास्तव मिसेज यूपी 2023 खुशबू प्रजापति मिस यूपी के क्वीन 2023 में निर्णय लिया टाइटल अवार्ड में आजमगढ़ की आयुषी गुप्ता मिस पूर्वांचल रही पूजा सैनी मिसेज पूर्वांचल रही । लोगो को मंच से संबोधित करते हुए

कार्यक्रम की शान मुख्य अतिथि जानी मानी अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल ने कहा जितना सुना था जौनपुर के बारे में उससे अलग निकाल जौनपुर अपने जीवन में पहली बार जौनपुर आई हूं मुझे जाकर बड़ा अच्छा लग रहा है और नई प्रतिभाओं को ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई ऊर्जा और हौसला मिलता है।

कार्यक्रम का संचालन इंटरनेशनल एंकर दिव्यांशी पांडे एवं सलमान शेख ने संयुक्त रूप से किया अतिथियों का आभार आयोजन मिनाज शेख एवं सलमान शेख ने किया।

इस अवसर पर डॉ विवेक श्रीवास्तव डॉक्टर अजीत कपूर डॉ तेज सिंह अमित गुप्ता प्रीति श्रीवास्तव हर्षवर्धन रघुवंशी डॉ क्षितिज शर्मा कोरियोग्राफर सागर शान डॉ रंजना सिंह सरला महेश्वरी उर्वशी सिंह बिट्टू दीदी लक्ष्य गुप्ता राहुल शेख डॉ संदीप पांडे ईशान मिश्रा अमरावती तस्नीम फातिमा वासु अग्रहरि मिस्टर जौनपुर राजेश कुमार नेहा सिंह सरला महेश्वरी श्रीकांत महेश्वरी हसनैन कर दीपू, दीपक श्रीवास्तव, पत्रकार राजकुमार सिंह देवेंद्र खरे अजीत गिरी जावेद अहमद राज सैनी दीपक सिंह रिंकू अजय सिंह आदिल उपस्थित रहे

एक पेड़ मां के नाम वृक्षा रोपण कार्यक्रम संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

झबरेड़ा, हरिद्वार। राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हुन नारसन के प्रांगण में डॉक्टर सो आर गणेश गणेश वैज्ञानिक, राष्ट्रीय इतिहास वैज्ञानिक मंत्रालय, वन एवं जलवायु पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा एक वृक्ष मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को संपादित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता संदीप वर्मा, जितेंद्र पवार, विपुल सालार, ऋषि पाल, दिनेश सिंह , सूरजभान, मुकेश बगवाड़ी, पूनम भट्ट, अरुण राठी, वरिष्ठ प्रवक्ता अलका रानी, सुशील कुमार, आलोक द्विवेदी, राकेश शर्मा ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहयोग दिया। हिमांशु, दिव्यांशु, सृष्टि , जागृति, अंशुल बर्मन, कार्तिक, रितिक, शगुन समेत लगभग 150 छात्र–छात्राओं ने उपस्थित होकर अपनी सहभागिता प्रस्तुत की।

एक सितंबर को लखनऊ में होगी ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की बैठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव प्रफुल्ल चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार जी के निर्देशानुसार संगठन की बैठक जो लखनऊ में 22 अगस्त को सुनिश्चित की गई थी 22 अगस्त से त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए निरस्त की जाती है। 22 अगस्त के स्थान पर एक सितम्बर दिन रविवार को स्थान, हुसैन गंज चौराहा के पास होटल दिलीप में बैठक प्रदेश अध्यक्ष जी के निर्देशानुसार संपन्न होगी। संगठन के सभी सम्माननीय साथी कृपया अवगत हों।

स्वयं सहायता समूहों को वित्त पोषित/सी.सी.एल. करना सभी शाखा प्रबन्धकों का दायित्व है - मुख्य विकास अधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंक शाखा प्रबन्धकों, मिशन स्टाफ व बैंक सखियों का सूक्ष्म वित्त एवं वित्तीय समायोजन विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के सभी बैंकों के लगभग 200 शाखा प्रबन्धकों, 42 मिशन स्टाफ, समस्त सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) और सभी विकास खण्ड के 30 बैंक सखियों के द्वारा प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर मल्यार्पण व दीप प्रज्जलित कर किया गया। आजीविका मिशन के उपायुक्त (स्वतः रोजगार) ओम प्रकाश यादव द्वारा मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जनपद की अब तक की मिशन की उपलब्धियों को प्रस्तुत कर कार्यशाला के उद्देश्य व रूप–रेखा पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने अपने सम्बोधन में इस तथ्य को विशेष रूप से रेखांकित किया कि ग्रामीण क्षेत्र के अत्यंत गरीब परिवारों की महिलाएं जो ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं होती का ही समूह होता है, फलस्वरूप इस वस्तु स्थिति का ध्यान रखते हुए बैंकर्स को सकारात्मक व व्यवहारिक दृष्टिकोण से समूहों का बैंक लिंकेज कार्य में तेजी लानी होगी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह योजना बहुत अच्छी महत्वकांक्षी योजना है। यदि बैंकर्स व विभाग आपसी समन्वय व सहयोग से प्रतिबद्ध होकर कार्य करे तो निश्चित रूप से ग्रामीण गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में आजीविका मिशन के कार्यों की सराहना करते हुए वित्तीय वर्ष–2023–24 में अधिक सी0सी0एल0 व खाता खोलने वाले बैंक शाखा प्रबन्धकों व बैंक सखियों को प्रशस्ति–पत्र देकर की हौसला आफजाई करते हुए इस बात को इंगित किया कि यद्यपि चुनौतियां दोनो तरफ है, फिर भी बिना चुनौती के काई लक्ष्य व परिणाम हासिल नहीं होता।

कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान (एन0आई0आर0डी0) हैदराबाद से दो एन0आर0पी0 प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होने उक्त कार्यशाला के प्रत्येक बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंक लिंकेज का अच्छा कार्य करने वाले 21 शाखा प्रबन्धकों व 21 बैंक सखियों का प्रशस्ति–पत्र एवं उपायुक्त (स्वतः रोजगार) द्वारा क्षेत्रीय प्रबन्धक, यू0बी0आई0, एस0बी0आई0, बड़ौदा यू0पी0 बैंक, एल0डी0एम0 व डी0डी0एम0 नाबार्ड को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनकी सराहना व उत्साहवर्द्धन किया गया।

इस अवसर पर रिजनल मैनेजर यू0बी0आई0 जौनपुर, रिजनल मैनेजर (स्टेट बैंक ऑफ बैंक शैलेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, रिजनल मैनेजर बडौदा यू0पी0 बैंक, जौनपुर आर0 कपिलेश, एलडीएम शंकर चन्द्र सामन्त, डी0डी0एम0 नाबार्ड लल्लन प्रसाद, के0 श्रीनिवास, डा0 अजीत कुमार नेशनल रिसोर्स पर्सन, डी0एम0एम0 राजीव कौशल, बी0एम0एम शिव कुमार मौर्य, मनीष श्रीवास्तव, कार्यालय सहायक इस्तेखार अहमद, बैंकर्स व बैंक सखी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला में आये हुए सभी अतिथियों का स्वागतध अभिनन्दन उपायुक्त (स्वतःरोजगार) ओम प्रकाश यादव तथा कार्यक्रम का संचालन ब्लाक मिशन प्रबन्धक बृजेश यादव द्वारा किया गया और आभार जिला मिशन प्रबन्धक गुलाब चन्द सरोज, द्वारा किया गया।

कांवड़ व सावन मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये कमिश्नर व आईजी रेंज की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कांवड़ यात्रा व सावन मेला को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये कमिश्नर गौरव दयाल व आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई ।इस मौके पर मंडलायुक्त ने कहा कि श्रावण मास के दौरान

कांवड़िया जनपद अम्बेडकरनगर, गोंडा, बस्ती, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर व अन्य जनपदों से अयोध्या आकर सरयू स्नान कर नागेश्वर नाथ में जलाभिषेक कर तथा सरयू जल भरकर पुनः वापस जाते है। उन्होंने कहा कि इस बार श्रावण मास में 05 सोमवार – प्रथम सोमवार दिनांक 22 जुलाई 2024, द्वितीय सोमवार 29 जुलाई, तृतीय सोमवार दिनांक 05 अगस्त,चतुर्थ सोमवार दिनांक 12 अगस्त, पंचम सोमवार दिनांक 19 अगस्त को पड़ रहा है ।इस मौके पर मण्डलायुक्त ने कहा कि श्रावण मास प्रारम्भिक सोमवार की तिथि दिनांक 22 जुलाई के एक दिन पूर्व नागेश्वर नाथ मंदिर से हनुमानगढ़ तक के प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई समस्या ना हो इसका सभी विभाग विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभाग अपने–अपने विभाग से सम्बंधित कार्यो को पूरा करें, विशेष रूप से सिंचाई, सरयू नहर खण्ड, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग आदि विभागों को सौपे गये मेला सम्बंधी दायित्वों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सहादतगंज से साकेत पेट्रोल पम्प के बाईपास मार्ग पर पूरी लाईट व्यवस्था ठीक किया जाय तथा राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रान्तीय खण्ड के मार्गो पर गड्ढे बन गये है उस पर जलभराव हो रहा है इससे सड़कें खराब होने की स्थिति बन गयी है, जिसे तत्काल दुरूस्त किया जाय ।इस मौके पर आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने, यातायात कन्ट्रोल व्यवस्था बेहतर करने तथा बेरीकेटिंग आदि व्यवस्था समय से पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी कार्य पूरा किया जाना है उसका डेमो का भी प्रदर्शन हो ।मौके पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी भ्रमण करें, जिससे कि यात्रियों को श्रद्वालुओं को कोई भी प्रकार की असुविधा न हों ।मेले की समीक्षा एवं जानकारी मेलाधिकारीध्अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल द्वारा दी गयी तथा व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु सम्बंधित विभागों से कहा गया ।मण्डलायुक्त ने नगर निगम अयोध्या के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त टैंकर उपलब्ध कराकर शुद्व पेयजल की व्यवस्था तथा सभी शुलभ शौचालयों की सफाई, पानी, रेटलिस्ट एवं मोबाइल शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र से आवास पशुओं गायध्सांड़ को हटवाने तथा मेला क्षेत्र में आवश्यकतानुसार तारों के ऊपर व अन्य स्थानों पर पेड़ों की कटाई छटाई की जाय तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला अवधि में अनवरत विद्युत आपूर्ति रहे तथा ढीले तारों को कसा जाय व अतिरिक्त मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था पहले से कर लिया जाय तथा ट्रांसफार्मर की बेरीकेटिंग और विद्युत कन्ट्रोल रूम की स्थापना के साथ साथ उपकरणों सहित कर्मचारियों की शिफ्टवार टीम की व्यवस्था की जाय। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि मेला क्षेत्र में प्राथमिक उपचार केन्द्रों की स्थापनाधचिकित्सालय में बेड आदि आरक्षित किये जाय जिसमें चिकित्सकध्उपकरण एवं दवाईयों की उपलब्धता रहे तथा चिन्हित स्थलोंध प्रमुख मंदिरों के पास एम्बुलेंस मय स्टेचर की व्यवस्था रहें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग, पीएम नागर कार्य इकाई, लोक निर्माण विभाग, रोडवेज, रेलवे, पुलिस, उद्यान, अयोध्या विकास प्राधिकरण, साकेत डेयरी, पर्यटन विभाग, पुरातत्व विभाग, वन विभाग, युवा कल्याण, सूचना, संस्कृति,एन0एच0ए0आई0 सहित अन्य विभागों को मेला के दौरान सौपे गये दायित्वों से अवगत कराते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिलाधिकारी नितीश कुमार,अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल सहित कई अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

गुंडा एक्ट आरोपी तीन माह के जिला बदर करने का दिया आदेश

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर सलिल कुमार पटेल की न्यायालय ने समाज में भय व आतंक फैलाने के मामले में गुंडा एक्ट के आरोपी कप्तान सिंह को तीन महीने के लिए जिला बदर करने का आदेश दिया है ।बताते चलें कि जिले के थाना कैंट क्षेत्र में बनवीर पुर गांव निवासी कप्तान सिंह उर्फ रविंद्र सिंह के विरुद्ध 29 दिसंबर 2023 को थाना कैंट की पुलिस की रिपोर्ट पर कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई। जिसमे कप्तान सिंह के विरुद्ध थाना कैंट में एससी/एसटी सहित कई धाराओं में छह मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी कमजोर वर्ग के घर में घुसकर रास्ता रोक कर मारपीट करने और समाज में भय फैलाकर आतंक का माहौल पैदा करने के आरोप लगाया गया था ।कप्तान सिंह को अपना पक्ष रखने के लिए तीन फरवरी 2024 को कोर्ट से नोटिस भेजी गई ।बचाव पक्ष से कोई भी कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। न्यायालय ने आरोपों के आधार पर कप्तान सिंह के विरुद्ध गुंडा एक्ट की कार्यवाही किए जाने का पर्याप्त आधार पाया ।जिसके चलते कप्तान सिंह को तीन माह के लिए जिला बदर किए जाने का आदेश पारित किया। आदेश के तामील होने के बाद अयोध्या जनपद की सीमा से बाहर चले जाने और तीन माह तक सीमा में प्रवेश न करने का निर्देश दिया है।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत कई जगह हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वन महोत्सव सप्ताह के छठे दिन अयोध्या वन प्रभाग के मया रेंज अंतर्गत स्थित प्राथमिक विद्यालय भगवाभीट में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में रोली सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष, अयोध्या उपस्थित रहीं ।साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, राम जन्म यादव तथा अन्य स्थानीय लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।साथ ही कार्यक्रम में अरुण कुमार मौर्य क्षेत्रीय वन अधिकारी मया तथा उनकी टीम उपस्थिति रही ।कार्यक्रम में छितवन के पौधों का रोपण करते हुए स्थानीय ग्रामीणों को वृक्षारोपण अभियान 2024 पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ से जुड़ने की अपील की गई। वही एक अन्य कार्यक्रम अयोध्या रेंज अंतर्गत स्थित झुनझुनवाला स्नाकोत्तर महाविद्यालय में एन.सी.सी. की छात्राओं के साथ

वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में झुनझुनवाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्रधानाचार्या, कर्नल एम.एस.जावेद तथा प्रणव जैन, प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग, अयोध्या व क्षेत्रीय वन अधिकारी अयोध्या एवं अयोध्या रेंज की टीम उपस्थित रह ।कार्यक्रम में 60 पर्यावरणीय पौधों का रोपण करते हुए, छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया।

अपने माँ और परिजनों के नाम से सभी लगाए एक पौधा करें सुरक्षा – प्रवीण खरे डीएफओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलें में वन महोत्सव के तहत 51 लाख पौधे लगाए जाने है। इस अभियान के तहत सिरकोनी क्षेत्र के हुंसेपुर स्थित राष्ट्रीय पब्लिक इंटर कालेज में शनिवार को डीएफओ प्रवीण खरे आरआई अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य विनय कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में शुरू हुई। कार्यक्रम में स्कूली बच्चो सहित आसपास के लोगों ने सहभागिता कर सभी को पौधरोपण के लिए जागरूक किया। इस अभियान का मुख्य मकसद लोगों को पौधारोपण के फायदे के बारे में जागरूक करना है। जिस तरह से लगातार तापमान बढ़ रहा है। उसे पौधरोपण के माध्यम से ही कंट्रोल किया जा सकता है। डीएफओ प्रवीण खरे ने कहा कि सभी लोग इस अभियान के माध्यम से एक वृक्ष अपनी माँ के नाम से लगाकर उसकी रक्षा करें। जिससे यह वृक्ष मानव जीव जंतु जंतुओं के काम आ सकें। जिलें के सभी लोगों से अनुरोध है कि वृक्ष लगाकर उसकी रक्षा करें ।वृक्ष हमें ऑक्सीजन देने के साथ वर्षा को आमंत्रित करता है। यह हम सभी के लिए बहुत ही अनिवार्य है। इस अभियान के तहत जिलें में 51 लाख पौधे लगाए जाने है ।संभागीय परिवहन निरीक्षक अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि अपने परिवार के एक अन्य सदस्यों के नाम पिता व मां और पूर्वजों के नाम से लगाए । इससे धरती माँ का भी सम्मान बचा रहेगा। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। उससे राहत मिलेगी। पौधों को लगाए तो उसकी रक्षा भी करें ।बच्चों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूक फैलाई जा रही है। पेड़ से क्या लाभ है यह बच्चें अपने परिजनों को बताएंगे। साथ में यातायात के नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया। हाई स्कूल व इंटरमीडिएट में प्रथम व द्वितीय व तृतीय छात्रों को डीएफओ प्रवीण खरे व संभागीय परिवहन निरीक्षक अशोक श्रीवास्तव ने हाई स्कूल व इंटरमीडिएट में विद्यालय में टॉप किये हुए बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आरआई अशोक श्रीवास्तव ने सभी उत्कृष्ट बच्चों को 500 रुपये देकर सम्मानित किया।

शिफ्टों की डियुटी लगाकर साफ–सफाई की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें – सीडीओ

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने अवगत कराया है कि श्रवण मास में शिव मंदिरों पर भक्तों की बड़ी संख्या में आवागमन के दृष्टिगत रखते हुए शिव मंदिर सकाहा में बीडीओ बावन सुनासीर नाथ मंदिर में बीडीओ मल्लावां, मंशानाथ मंदिर में बीडीओ बिलग्राम तथा तुरन्तनाथ मंदिर बरगावां में बीडीओ टड़ियावां को मंदिर की नियमित साफ–सफाई, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था, मंदिर परिसर के आस–पास अवस्थित शौचालय एवं भीड़ नियत्रंण की जिम्मेदारी सौपी गयी है। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये

है कि अपने एसडीएम से समन्वय एवं मार्ग दर्शन प्राप्त करते हुए क्षेत्र के मंदिर पर श्रावण मास के एक सप्ताह पहले से कर्मचारियों की शिफ्टों की डियुटी लगाकर साफ–सफाई की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें तथा मंदिर में भीड़ नियंत्रण के लिए बैरीकेटिंग करायें और प्रत्येक दिन की फोटो सहित आख्या भेजने की जिम्मेदारी बीडीओ की होगी।

सावन मेला में चिन्हित हुए सात सातों हॉट स्पाट पर 24 घंटे रहेगी चिकित्सकों की तैनाती

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। अयोध्या में सावन मेला को लेकर तैयारी शुरू हो गई है।

सात से 19 अगस्त ते चलने वाले मेले में इस बार भारी भीड़ रहने की संभावना है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टर और जोन में बांटकर सात हॉट स्पाट भी बनाए जा रहे जहां 24 घंटे 108 एम्बुलेंस की सुविधा मिलने का दावा किया जा रहा है। वहीं अन्य व्यवस्था को भी चाक चौबंद किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन ने बताया कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी सावन माह में श्रावण झूला मेला का आयोजन 7 अगस्त से 19 अगस्त 2024 तक प्रस्तावित है ।इस मेला में एक मेला नियंत्रण कक्ष एवं 13 अस्थाई उपचार केन्द्र की स्थापना की जाएगी। साथ ही अस्थाई उपचार केन्द्र पर डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ की अस्थाई समय के लिए नियुक्ति की जाएगी ।मेले में बनाये गए अस्थाई उपचार केन्द्र में आवश्यक व जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता रहेगी।

रामनगरी के 7 संवेदनशील स्थानों पर हॉटस्पॉट बनाकर 108 एंबुलेंस को श्रद्धालुओं की सेवा के लिए खड़ा किया जायेगा। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार अयोध्या धाम मेला क्षेत्र में प्रत्येक दिन सांय 6 से 8 बजे तक फागिंग कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाएगा।

स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग जागरूकता रैली का आयोजन

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज जौनपुर। स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग जागरूकता रैली के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय मटियाही में स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन किया गया रैली का मुख्य उद्देश्य स्कूल में बच्चों के नवीन नामांकन के साथ साथ उपस्थिति व बरसात के मौसम में होने वाली बीमारी व उससे बचाव से सम्बन्धित जागरूकता रैली का आयोजन किया गया वहीं पर रैली की शुरुआत ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया. जिसमें प्रभारी प्रधानाध्यापक दिनेश विश्वकर्मा ने रैली के दौरान समस्त अभिभावकों से निवेदन किया और बरसात में होने वाली बीमारियों के संबंध में जानकारियां दी इस अवसर पर नीरज जैसल स.अ. अवनीश यादव स.अ. मालती मौर्य शि. मि .,शांति देवी, संगीता व अन्य गणमान्य अभिभावक भी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय सम्मान योजना फार्म भरने की अंतिम तिथि 10 जुलाई तक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व दिव्यांग दिवस पर 3 दिसंबर को दिव्यांग जनों को सशक्त बनाने के लिये विभाग द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा ।इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी इंद्रेश त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए आफ लाइन फार्म भरने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2024 तक निर्धारित है ।उन्होंने बताया कि जो भी दिव्यांग जन इस योजना से लाभान्वित होना चाहते है वे सभी लोग 10 जुलाई 2024 तक जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी कार्यालय विकास भवन से सम्पर्क कर आफ लाइन फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह पुरुस्कार विभिन्न श्रेणियों दिव्यांग जनों को सशक्तीकरण विभाग सरकार प्रदान किया जाता है।

किश्त जमा करने को दिया वारदात को अंजाम, चार आरोपी गिरफ्तार

हरदोई, संवाददाता। हरदोई जिले के संडीला कोतवाली क्षेत्र में बीती एक जुलाई को दूध भरी केन के साथ पिकअप डाला लूटे जाने की घटना का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। लूट की घटना में शामिल रहे तीन लोगों के साथ ही लूटा गया दूध खरीदने वाले को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। किश्तों पर खरीदे गए पिकअप डाला की किश्त अदा करने के लिए वारदात को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है। उन्नाव जनपद के आसीवन थाना क्षेत्र के पेशारी निवासी प्रशांत ने एक जुलाई को आधी रात के बाद पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि रात में साढ़े नौ बजे अपने पिकअप डाला से दूध भरी केन लेकर संडीला के एमसीसी प्लांट जा रहा था। रास्ते में बाइक सवार कुछ लोगों ने उसे रोक लिया था। बंधक बनाकर नकदी और पिकअप डाला लूटकर भाग गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र खुद घटना का खुलासा करने में लगे थे। शुक्रवार शाम अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुखबिरों से शुक्रवार की सुबह सूचना मिली थी कि घटना को अंजाम देने वाले चार लोग गोसवा वारीवन मार्ग के पास जंगल में मौजूद हैं। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्नाव जनपद के औरास थाना क्षेत्र के गोवारगांव निवासी वीरेंद्र, अतरौली थाना क्षेत्र के तेंदवारी निवासी वसीम और संडीला कस्बा के मंडई निवासी अशोक को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से 55 हजार रुपये, 17 दूध की केन दो बाइक बरामद की गईं। वीरेंद्र के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ। पूछताछ में पता चला कि लूटा गया दूध इन लोगों ने संडीला कोतवाली क्षेत्र के दुगई निवासी आरिफ को बेचा था। पुलिस ने आरिफ को भी गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से दूध की आठ केनें बरामद कर लीं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र ने बताया कि वीरेंद्र ने एक पिकअप डाला किश्तों पर खरीदा था। काम न चलने पर किश्तें अदा नहीं कर पा रहा था। इसलिए उसने लूट की घटना को अंजाम दिया था।

कूलर में उतरे करंट से बीएससी के छात्र की मौत, चारपाई बिछाने के दौरान हुआ हादसा

फिरोजाबाद, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में घर में चारपाई बिछाने के दौरान युवक को अचानक कूलर से करंट लग गया। इससे वह अचेत हो गया। उसे परिजन ने उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने उसे स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के गांव दखिनारा की है। गांव निवासी कृष्णकांत (22) बीएससी का छात्र था। शुक्रवार सुबह सात बजे करीब वह घर में चारपाई बिछा रहा था। तभी अचानक घर में रखे हुए कूलर के संपर्क में वह आ गया। उससे उसको करंट लग गया। करंट लगने के चलते वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों ने जब उसे जमीन पर बेहोश पड़ा देखा, तो उनके होश उड़ गए। परिजन ने उसे उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया।

यहां चिकित्सक ने उसे स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी परिजन जिंदा होने की उम्मीद में उसे ट्रॉमा सेन्टर फिरोजाबाद लेकर पहुंचे। यहां भी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके चलते परिजन शव को लेकर गांव आ गए। उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

जंगल में मिला अधेड़ का शव

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले के बहुआ कस्बे में रेंय के जंगल में लगभग 55 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति का शव पड़ा मिला है। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। सूचना पर पहुंची पुलिस औश्र फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ललौली थाना क्षेत्र के रेंय गांव के जंगल में 55 वर्षीय अधेड़ अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। अज्ञात व्यक्ति सफेद कुर्ता और सफेद लोवर पहने हुए है। वहीं, मृतक के शव के करीब जहर (सल्फास) की डिब्बी और शराब की शीशी पड़ी मिली। शव दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। सूचना पर ललौली थाना प्रभारी तारकेश्वर मय पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। वहीं, फोरेंसिक टीम और सीओ जाफरगंज होरीलाल ने मौके पर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी तारकेश्वर राय ने बताया की शव के शिनाख्त की कोशिश की जा रही।

विद्यालयों में अब बच्चों की भी डिजिटल हाजिरी

बांदा, संवाददाता। परिषदीय स्कूलों में अब गुरुजनों की ही नहीं, बल्कि छात्र–छात्राओं की भी डिजिलट उपस्थिति दर्ज होगी। इससे शिक्षकों की लेटलतीफी व फर्जी उपस्थिति की समस्या खत्म होगी। बच्चों की भी फर्जी उपस्थिति नहीं दर्ज की जा सकेगी। मंडल के चारों जिलों को 7440 टैबलेट भेजे गए हैं। एक विद्यालय में दो–दो टैबलेट की व्यवस्था की गई है। अब बच्चों के लिए शिक्षा विभाग में चल रहीं विभिन्न योजनाओं के लाभ में भी पारदर्शिता आएगी। चित्रकूटधाम मंडल में 4796 प्राथमिक औरउच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें पांच लाख 30 हजार 269 छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं। शासन से इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में से 70 फीसदी उपस्थिति मानकर एमडीएम से लेकर पाठ्य पुस्तकों, ड्रेस–मोजा–जूता, बैग तक सारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है। प्रधानाध्यापक व शिक्षक मोटा वेतन पाने के बाद भी योजनाओं में फर्जीवाड़ा करते हैं। अब बेसिक शिक्षा निदेशालय की ओर से योजनाओं में पारदर्शिता लाने और शिक्षक व बच्चों की फर्जी उपस्थिति रोकने के लिए कमर कसी है। मंडल के चारों जिलों में अब शिक्षकों ही नहीं, बल्कि बच्चों की भी डिजिटल हाजिरी दर्ज होगी। शासन ने अभी पहले चरण में 7440 टैबलेट भेजे हैं। बांदा के 1341 विद्यालयों में 2578, चित्रकूट के 960 विद्यालयों में 1874, हमीरपुर के 734 विद्यालयों में 1320 व महोबा के 565 विद्यालयों में 1168 टैबलेट भेजे जा चुके हैं। 10 जुलाई से यहां बच्चों व शिक्षकों की उपस्थिति ऑनलाइन होगी।

टैबलेट से सेल्फी लेकर दर्ज होगी उपस्थिति

परिषदीय स्कूलों में तैनात शिक्षकों व बच्चों की हाजिरी अब टैबलेट से सेल्फी के माध्यम से होगी। भेजे गए टैबलेट को सॉफ्टवेयर से अपडेट किया गया है। प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से हाजिरी लगेगी। एमडीएम समेत अन्य योजनाओं की जानकारी टैबलेट के माध्यम से ऑनलाइन अपडेट होगी। यू–डायस से भी टैबलेट अटैच होगा। इससे टैबलेट को किसी दूसरे स्थान से प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई शिक्षक बाहर रहकर सेल्फी अपलोड करेगा तो पोर्टल उसे निरस्त कर देगा। एक टैबलेट प्रधानाध्यापक और एक वरिष्ठ शिक्षक के पास रहेगा। मंडल के चारों विद्यालयों में टैबलेट भेजे जा चुके हैं। अब इनसे ऑनलाइन हाजिरी की व्यवस्था जल्द शुरू होगी। इससे परिषदीय स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में काफी सुधार आएगा।

जर्जर जंपर की मरम्मत, तीन घंटे बाधित रही बिजली

सहारनपुर, संवाददाता। अंबाला रोड, जैनबाग और खुमरानपुल बिजलीघरों के क्षेत्र में जर्जर जंपर की मरम्मत कार्य हुआ। विद्युत निगम ने तीन घंटे का शटडाउन लेकर कार्य कराया। इसके तहत 15 जंपर की व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया। इनमें अंबाला रोड खास है। क्योंकि, यहीं से बड़ी संख्या में कांवड़िए हरिद्वार गंगाजल लेकर हरियाणा, पंजाब और जम्मू–कश्मीर भी जाते हैं। दरअसल, विद्युत निगम के अधिकारियों ने कुछ दिन पूर्व सर्वे कराकर जर्जर हो चुकी जंपर, तारों और खंभों को चिह्नित किया था। इसके तहत बृहस्पतिवार की सुबह सात बजे तीनों बिजलीघरों से शटडाउन लेकर अंबाला रोड, चिलकाना रोड, खाताखेड़ी, अरबी मदरसा क्षेत्र में 15 जंपरों की मरम्मत कराई। इससे तीन घंटे अंबाला रोड, मोहल्ला मदनपुरी, चाणक्यपुरी, सम्राट विक्रम कॉलोनी, निसार रोड, अरबी मदरसा क्षेत्र, चिलकाना रोड, कलसिया रोड, अजीज कॉलोनी, जवाहर पार्क, शिवेंद्र विहार, बाबा लालदास रोड, गांधी कॉलोनी, धौबीघाट, मातागढ़, गढ़ीमलूक, नया बाजार, चौक फव्वारा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रही, लेकिन विद्युत निगम ने तय समय में कार्य को पूरा करा दिया है। इनमें अंबाला रोड खास है। क्योंकि, इसी क्षेत्र से हरियाणा, पंजाब और जम्मू कश्मीर के कांवड़िए जल लेकर लौटते हैं। 22 जुलाई से सावन माह की शुरुआत होगी और कांवड़िए भी लौटना शुरू हो जाएंगे।

पापड़ बेचने वाले को मिला लाखों के जेवरात भरा पर्स

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में युवक को पर्स पड़ा मिला। इसमें पांच लाख कीमत के जेवरात थे। यह पर्स घनश्याम हेमलानी को मिला। वह पापड़ बेचकर दो वक्त की रोटी जुटाते हैं। लेकिन लाखों के जेवरात देखकर भी उनकी ईमान नहीं डगमगाया। उन्होंने पहले पुलिस को बताया। इसके बाद खुद भी पर्स मालिक की खोज में जुट गए। सोशल मीडिया का सहारा लिया। आखिर में उन्हें मालिक मिल गया। ईमानदारी की मिसाल पेश करने वाले घनश्याम को न सिर्फ पर्स मालिक ने 11 हजार रुपये इनाम दिया, बल्कि समाज ने भी सम्मानित किया।

चकरपुर मंडी के सामने 14 बीघा जमीन पर अवैध प्लाटिंग तोड़ी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में केडीए ने गुरुवार को चकरपुर मंडी के सामने 14 बीघा जमीन पर अवैध रूप से की गई प्लाटिंग पर एक साथ पांच बुलडोजर चलाए। दबंगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे की गई प्लाटिंग तोड़ते समय विरोध किया। विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला और प्रवर्तन दस्ते ने उन्हें हटाने के बाद प्लाटिंग के साथ ही बिजली के पोल आदि तोड़े। अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ एफआईआर कराने की तैयारी है। प्लाटिंग के लिए तालाब का कुछ हिस्सा भी पाटने की शिकायत की जांच के निर्देश दिए गए हैं। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश पर जोन–2 के अंतर्गत चकरपुर स्थित आराजी संख्या–610, 611, 612, 613, 614, 615, 616 में हुई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया है। विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला ने बताया कि श्री मां पीतांबरा रॉयल सिटी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक राजेश सिंह, रमेश सिंह आदि ने लगभग 14 बीघा जमीन पर अवैध रूप से आवासीय योजना विकसित करने के लिए सड़कें, बाउंड्री, नालियां, बिजली के पोल लगवाए थे। इन सभी को ध्वस्त किया गया। दोषियों के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी। अभियान में क्षेत्रीय सहायक अभियंता जेएन पांडेय, केडीए प्रवर्तन दल, पूर्व सैनिक बल, पनकी, सचेंडी आदि।

ऊर्जा निगम के कर्मचारियों पर अवैध वसूली का आरोप, किसानों का हंगामा

शामली, संवाददाता। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापामारी का डर दिखाकर जेई और अन्य पर अवैध रूप से वसूली का आरोप लगाते हुए किसानों ने बृहस्पतिवार को अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना दिया और नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। चेतावनी दी कि यदि अवैध रूप से वसूली करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ पांच दिन के अंदर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो अनिश्चितकाल के लिए धरना प्रदर्शन को मजबूर होंगे। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के चेयरमैन और गठवाला खाप के चौधरी राजेंद्र मलिक के नेतृत्व में किसान अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। किसानों का कहना था कि क्षेत्र के लिसाढ़, कुरमाली कुड़ाना, मखमूलपुर आदि गांवों में ग्रामीणों का एक माह का अधिक बिजली बिल आ रहा है। इसके अलावा कुछ जेई और अन्य कर्मचारी बिजली चोरी का डर दिखाकर कई ग्रामीणों से 20 से लेकर 10 हजार रुपये तक की अवैध वसूली कर चुके हैं। आरोप है कि शिकायत के बावजूद विभागीय अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। किसानों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। यदि कोई शिकायत की बात कहता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी जेई देता है। दो घंटे तक चले धरने के दौरान किसानों ने नारेबाजी भी की । सूचना पर अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार और एक्सईएन मौके पर पहुंचे। किसानों को जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब कहीं जाकर किसानों ने धरना समाप्त किया। चेतावनी दी कि यदि पांच दिन के अंदर इस मामले में कोई कार्रवाई नही की गई तो अनिश्चितकाल के लिए धरना देने को मजबूर होंगे। धरना देने वालों में राजेंद्र मलिक, जगबीर फौजी, संजीव मलिक, राजबीर सिंह, नरेंद्र कुमार, रामबीर सिंह, सहेंसरपाल, दुष्यंत मलिक, भरतवीर सिंह, सुधीर कुमार आदि शामिल रहे।

अधिकारियों को भी बीच में बैठाए रखा

गुस्साएं किसानों ने ऊर्जा निगम एक्सईएन और अन्य कर्मचारियों को भी करीब एक घंटे तक बीच में बैठाए रखा। कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा, उन्हें नहीं जाने दिया जाएगा। हालांकि, बाद में अधीक्षण अभियंता के आश्वासन पर किसान शांत हुए। अवैध वसूली प्रकरण में कमेटी गठित कर दी गई है। जांच के बाद उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अवैध रूप से वसूली किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभी तक कार्रवाई नहीं

क्षेत्र के गांव मंगलौरा और उदपुर के ग्रामीणों ने विजिलेंस टीम के सदस्यों पर अवैध रूप से वसूली का आरोप लगाते हुए ऊर्जा निगम के अधिकारियों से शिकायत की थी।

आरोप है कि दस से अधिक दिन बीत चुके हैं, मगर अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अधिशासी अभियंता ने जल्द जांच कराकर कार्रवाई की बात कहीं है।

नायडू और नीतीश की कृपा खत्म होते ही धराशाई हो जाएगी केंद्र सरकार – रामगोपाल

इटावा, संवाददाता। नायडू और नीतिश की कृपा खत्म होते ही केंद्र सरकार धराशाई हो जाएगी। यह बात शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने भाजपा की केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा। सैफई स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रो. रामगोपाल ने कहा कि इन दोनों नेताओ के राज्य बिहार और आंध्रप्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला, तो केंद्र सरकार नहीं चल पाएगी। नायडू और नीतीश कुमार अपने–अपने राज्यों में विशेष पैकेज की मांग करने में लगे हुए हैं। अगर केंद्र सरकार से दोनों राज्यों को विशेष पैकेज मिल गया, तो निश्चित है कि केंद्र सरकार चलती रहे। अन्यथा केंद्र सरकार का भविष्य सुरक्षित नहीं है। कहा कि जिस तरह का जुल्म यहां की जनता पर हो रहा है। यही चलता रहा, तो 2027 में सपा की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। दावा किया कि उपचुनाव में सभी 10 विधानसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन को बड़ी कामयाबी मिल सकती है। हाथरस हादसे की चर्चा करते हुए कहा कि पीड़ित परिवारों के साथ समाजवादी पार्टी की पूरी संवेदना है।

दुधमुंही बच्ची को बिलखता छोड़ फांसी के फंदे पर झूली विवाहिता

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर जनपद के नकुड़ कस्बा अंबेहटा के गांव कैंडल में विवाहिता ने दहेज प्रताड़ना से तंग होकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतका के भाई ने पति, सास, ससुर सहित छह के विरुद्ध दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी है। गांव भैरमऊ निवासी रवि कुमार पुत्र मोहकम ने कोतवाली में दर्ज करायी रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन मोनी(24) की शादी करीब दो वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के गांव कैंडल निवासी सचिन पुत्र मांगेराम के साथ हुई थी। शादी में उन्होंने अपनी हैसियत से बढ़कर दान दहेज दिया था। आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिन बाद ही मोनी के ससुराल वाले उसकी बहन को तरह–तरह की मांग कर प्रताड़ित करने लगे। बताया कि उन्होंने बहन की खुशी के लिए कई बार रुपये भी दिए, परंतु ससुराल वालों की मांग बढ़ती चली गई। पीड़ित भाई ने बताया कि गत तीन जुलाई की शाम को उसकी मोनी ने रोते हुए बताया कि उसकी ससुराल वाले एक लाख रुपये की मांग कर रहे हैं तथा मांग पूरी न होने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। बताया कि इसके अगले दिन चार जुलाई की शाम करीब सात बजे किसी ने फोन पर मोनी की मौत हो जाने की सूचना दी तो वह तुरंत ही गांव कैंडल पहुंचे। जहां उसकी बहन मृत पड़ी थी। मृतका के भाई ने पति सचिन, ससुर मांगेराम, सास मुन्नी, जेठ बिरम व जेठानी मीनाक्षी के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सीओ एसएन वैभव पांडेय ने बताया कि मृतका की गर्दन पर निशान मिले हैं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति साफ हो सकेगी। मृतका के पति व ससुर को हिरासत मे ले लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। मृतका की एक नौ माह की दूधमुंही बच्ची है।

नालों और एसटीपी से गंगा में गंदगी जाने पर कार्रवाई, साइरस मिस्त्री की कंपनी पर 6.62 करोड़ का जुर्माना

कानपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपी पीसीबी) ने गंगा में गंदगी बहाने वाली साइरस मिस्त्री की कंपनी कानपुर रिवर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (केआरएमपीएल) पर 6.62 करोड़ रुपये जुर्माना लगाया है। वसूली करने के लिए गुरुवार को गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई (ग्रामीण) को नोटिस दिया है। पर्यावरण क्षतिपूर्ति के लिए 2.62 करोड़ रुपये भू–राजस्व की तरह वसूलने के लिए राज्य बोर्ड लखनऊ ने जिला प्रशासन को पत्र भेजा है। नगर के सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों, सीवेज पंपिंग स्टेशनों का संचालन करने वाली कंपनी पर पहली बार इतना ज्यादा जुर्माना लगा है। नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) ने तीन साल पहले नगर के सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) और सभी सीवेज पंपिंग स्टेशनों (एसपीएस) के 15 साल रखरखाव और संचालन के लिए 800 करोड़ से ज्यादा का ठेका केआरएमपीएल को दिया है। कंपनी एसटीपी और एसपीएस के संचालन में लगातार लापरवाही कर रही है, जिसकी वजह से अक्सर गंदा पानी गंगा में जाता है। अमर उजाला में प्रमुखता से यह मामला प्रकाशित किए गए। यूपी पीसीबी की तरफ से समय–समय पर की गई जांच में कंपनी की लापरवाही से सीसामऊ नाले सहित अन्य नालों और जाजमऊ एसटीपी से गंगा में करोड़ों लीटर गंदा पानी जाने की पुष्टि हुई। इसके चलते कंपनी पर कार्रवाई की गई। एसटीपी और एसपीएस संचालन में लापरवाही, गंगा में गंदा पानी बहाने पर केआरएमपीएल पर 6,69,57,500 रुपये जुर्माना लगाया गया है। वसूली के लिए गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई (ग्रामीण) को नोटिस दिया है। 2.62 करोड़ रुपये भू–राजस्व की तरह वसूलने के लिए राज्य बोर्ड ने जिला प्रशासन को पत्र भेजा है। –अमित मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, यूपी पीसीबी

ऐसे होती है भू–राजस्व के तहत वसूली

बकाया धनराशि किस्तों में बांटी जाती है। बकायेदार की संपत्तियों का विवरण लिया जाता है। बकाया धनराशि जमा करने के लिए नोटिस दिया जाता है। निर्धारित समय में जमा न करने पर पुनरू नोटिस, छह माह का समय दिया जाता है। फिर भी जमा न करने पर कुर्की का आदेश दिया जाता है और संपत्ति सीज कर ली जाती है।

इन कंपनी पर जिन मामलों में जुर्माना लगाया गया, उनमें से बानगी के रूप में कुछ मामले प्रकाशित किए जा रहे हैं

पिछले साल 10 जुलाई को जाजमऊ स्थित 130 एमएलडी (मिलियन लीटर डेली), 43 एमएलडी, 5 एमएलडी और बिनगवां स्थित 210 एमएलडी क्षमता के प्लांट का संचालन में लापरवाही पर ठेकेदार कंपनी पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (जुर्माना) लगाया गया। यह धनराशि बोर्ड में जमा करने के लिए जल निगम की गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई (ग्रामीण) के परियोजना प्रबंधक और केआरएमपीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को नोटिस दी गई।

राज्य बोर्ड मुख्यालय ने बीती 7 मार्च को जाजमऊ स्थित 130 एमएलडी प्लांट संचालन में लापरवाही पर 82.50 लाख पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति को को भू–राजस्व की तरह वसूलने के लिए डीएम को पत्र लिखा गया।

राज्य बोर्ड मुख्यालय ने बीती 19 फरवरी को जाजमऊ स्थित पांच एमएलडी प्लांट पर 41.75 लाख पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति को भी भू–राजस्व की तरह वसूलने के लिए डीएम को पत्र भेजा।

राज्य बोर्ड मुख्यालय ने बीती 19 फरवरी को भी 210 एमएलडी जाजमऊ के संचालन में गड़बड़ी पर 1,37,75,000 रुपये क्षतिपूर्ति भी भू–राजस्व की तरह वसूलने के लिए डीएम को पत्र भेजा गया।

एचटी लाइन से पेड़ में लगी आग, कई मोहल्लों की बिजली गुल

बांदा, संवाददाता। उमस भरी गर्मी में बिजली कटौती ने लोगों की नींद उड़ा दी है। जंगल दफ्तर के पास कालूकुआं रोड में एचटी लाइन से इमली के पेड़ में आग लग गई। इससे कालूकुआं सहित कई मोहल्लों के लोग घंटों में अंधेरे में परेशान रहे। वहीं भूरागढ़ फीडर में रात ही नहीं दिन में भी बिजली की आंख मिचौली ने लोगों को परेशान किया। दोपहर में बाबूलाल चौराहे के पास ट्रांसफार्मर में खराबी के कारण अलीगंज फीडर बंद रहा और लोग बिजली को तरसते रहे। जनपद में कभी बादल व बूंदाबादी तो कभी धूप के कारण उमस भरी गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। वहीं बिजली कटौती ने लोगों का चौन–सुकून छीन लिया है। बिजली विभाग की ओर से कई मोहल्लों में केबल बदलने का भी काम किया जा रहा है। इससे आठ–आठ घंटे की रोस्टिंग की जा रही है। बाबूलाल चौराहे में एचडीएफसी बैंक के पास रात सवा दो बजे ट्रांसफार्मर का जंपर उड़ गया। इससे गूलरनाका, बाबूलाल चौराहा व आसपास के कई मोहल्लों के लोग बिना बिजली गर्मी में सो नहीं सके। सुबह करीब साढ़े सात बजे बिजली कर्मी पहुंचे और ट्रांसफार्मर का फ्यूज बांधा। इसके बाद करीब आठ बजे बिजली आपूर्ति बहाल हुई। बिजली न होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही। उधर, भूरागढ़ फीडर में बिजली कटौती से लोग दिन भर परेशान रहे। बिजली की आवाजाही लगी रही। छोटीबाजार, कटरा, क्योटरा, मढिघ्यानाका, खुटला में लोग बिजली की आंख मिचौली से बेहाल रहे। दोपहर ढाई बजे महेश्वरी देवी मंदिर के पास बिजली के तारों में आग लग गई। इससे महेश्वरी देवी फीडर बंद कर दिया गया। यहां करीब पांच बजे तक व्यवसायी व अन्य लोग बिजली को लेकर परेशान रहे। इसी तरह कालूकुआं, बिजली खेड़ा, शंकर नगर में रात भर लोग बिजली न आने से परेशान रहे। मोहल्ले के अरविंद शर्मा ने बताया कि बुधवार को भी पूरी दिन लाइट नहीं ही। रात में भी बिना बिजली सो नहीं पाए। बिजली विभाग के अधिकारियों से बात करने बताया कि जंगल दफ्तर के पास एचटी लाइन से इमली के पेड़ में शाम आठ बजे आग लग गई। इससे देर रात आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। वहीं रात में टेलीफोन टावर भी बंद रहा।

लापरवाही पर लेखपाल निलंबित, तीन को प्रतिकूल प्रविष्टि

सहारनपुर, संवाददाता। संपूर्ण समाधान दिवस में दर्ज शिकायतों को गंभीरता से न लेने व कार्यों में लापरवाही बरतने पर एसडीएम संगीता राघव ने एक लेखपाल को निलंबित कर दिया। जबकि तीन लेखपालों को प्रतिकूल प्रविष्टि व दो राजस्व निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। एसडीएम संगीता राघव ने बताया कि गांव शुक्रताल के हल्का लेखपाल मोहम्मद काशिफ ने बीते 16 मार्च को संपूर्ण समाधान दिवस की एक शिकायत का निस्तारण नहीं किया था। पीड़ितों की शिकायतों को गंभीरता से न लेने व अपना मोबाइल बंद रखने के आरोप भी लेखपाल पर लगे हैं।

इसके कारण लेखपाल को तत्काल प्रभाव ने निलंबित कर दिया गया है।

एसडीएम ने बताया कि इसके अलावा तहसील के तीन अन्य लेखपालों को सरकारी कार्यों में लापरवाही पर प्रतिकूल प्रविष्टि व दो राजस्व निरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने सरकारी व जनशिकायतों से संबंधित कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। एसडीएम की इस कार्रवाई से तहसील कर्मियों में हड़कंप मचा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।